

आयोजक : यादव सभा, हांसी



कहानी

आशा खत्री 'लता'

आज पूरे पांच दिन बाद सीता अपने कमरे से बाहर निकलने का साहस जुटा पाई। अनमने मन से बरामदे में खड़ी होकर पूरे परिसर पर नजर डालते हुए उसके मन में कोई भाव नहीं था। होता भी कैसे जब जिंदगी में वह हो जाए, जिसकी कल्पना भी न की हो तो बुढ़ापे में सुख-दुःख का एहसास होने को बचता ही क्या है। फिर भी सोच-विचार तो मन का विषय है। तन शिथिल भी रहे तो मन कहाँ रुकता है। शायद तभी तो यक्ष के प्रश्न का उत्तर देते हुए धर्मराज युधिष्ठिर ने सबसे तीव्र गति मन की बताई थी। पूरे परिसर का जायजा लेते हुए सीता ने पाया कि जगह खुली और वातावरण अच्छा है। जब जीवन यात्रा का शेष समय यहीं बिताना है तो इसे ही अपना घर मानने में हर्ज ही क्या है। धीमे कदमों से टहलती हुई सीता कुछ दूरी पर पेड़ों के नीचे लगे बेंचों में से एक पर जा बैठी। वहां लगे पेड़-पौधों को देखकर उसे कुछ-कुछ अपने प्राइमरी स्कूल जैसा अनुभव हुआ। आज से लगभग सत्तर वर्ष पूर्व जब लड़कियों की पढ़ाई की ओर कोई ध्यान ही नहीं देता था, सीता के पिता ने उसे शिक्षित करने की पहल की थी।

‘पिता’ यादों की गहराई में उतरते ही उसकी आंखों से आंसुओं की अविरल धारा बह चली। बचपन में उसके चंचल स्वभाव व घर-घर में इधर-उधर दौड़ते रहने की आदत से उसे चिड़िया कहकर बुलाते थे। पिता की देखा-देखी दोनों भाई भी उसे ‘चौंची’ चिड़िया उड़के दिखाओ, थोड़े से तो पंख उगाओ’ कहकर छेड़ते। वह उन्हें मारने दौड़ती -‘आने दो पिताजी को तुम दोनों की शिकायत करूँगी। फिर जब तुमसे सारा दिन खेत में काम करवाया जायेगा तो तुम्हें पता लगेगा।’ और वे दोनों कान पकड़कर क्षमा मांगने की स्थिति में दयनीय मुंह बनाकर सटक जाते। पिता उसे चिड़िया कहते तो उसे अक्सर स्वप्न आता कि वह जैसे चिड़िया की भाँति आसमान में ऊँची उठकर उड़ी जा रही है, लम्बी-लम्बी उड़ाने भरती हुई कहीं घबराती, कहीं आर्नान्दत होती मनचाही जगह जाकर उतरती। जगने पर वह उस सुंदर स्वप्न को याद कर दिन भर अभिभूत हुई रहती। पिता ने उसे प्राथमिक स्कूल की अध्यापिका बनाने के लिए दो वर्षीय अध्यापक प्रशिक्षण में दाखिल के साथ ही जोर-शोर से लड़का देखना शुरू कर दिया।

रामरत्न का साथ पाकर सीता के जीवन में अनन्त खुशियों के साथ दो अनमोल रत्न आये। पति-पत्नी दोनों अध्यापक। बच्चे संभालने के लिए घर में सास थी ही। उस संयुक्त परिवार में सीता अपने हिस्से का थोड़ा-बहुत काम कर पढ़ने में लगी रहती। प्राइवेट स्नातक और फिर बी एड कर वह उच्च विद्यालय की शिक्षिका की पात्रता पा गई। बच्चों की अच्छी परवरिश के लिए गाय रख ली। सीता अपने आपको दुनिया की सबसे सौभाग्यशाली स्त्री मानती हुई अपने भाग्य पर इतराती रहती। शिक्षित बेटे, शिक्षित

चिड़िया उड़ गई

पूरे परिसर का जायजा लेते हुए सीता ने पाया कि जगह खुली और वातावरण अच्छा है।

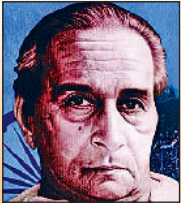
जब जीवन यात्रा का शेष समय यहीं बिताना है तो इसे ही अपना घर मानने में हर्ज ही क्या है। धीमे कदमों से टहलती हुई सीता कुछ दूरी पर पेड़ों के नीचे लगे बेंचों में से एक पर जा बैठी।



बहुएं। घर में छह प्राणी सभी बढ़िया सरकारी नौकरी में। ऐसे परिवार गांव के सम्मानित, संप्र्रांत परिवार माने जाते हैं। संयोग देखिये दोनों बहुओं ने कुछ माह के अंतराल पर ही बेटियों को जन्म दिया। दो पोतियों की दादी बना सतीता के लिए उतना उल्लासपूर्ण नहीं था, जितना दो पोतों की दादी बनाता होता। फिर भी समय के साथ दोनों दादी के दिल का टुकड़ा बन गई।

समय अपनी गति से चलता रहा। परिवर्तन प्रकृति का नियम है। दिशा-निशा दोनों कॉलेज से आकर अपनी माताओं से पहले दादी के पास आकर बैठती, उनसे दिनभर की बातें साझा करती। उनके छोटे भाई दिनेश-सर्वेश माताओं के लाड़ले हैं। भले ही सीता को उनके जन्म पर पोतों की इच्छा थी परन्तु जो स्नेह उसे दिशा-निशा से हुआ वैसा दिनेश-सर्वेश से न हो सका। खुशी भरे इन सालों में वह चिड़िया के पंख लगाकर ही तो उड़ी और अब दुःख शिकारी के जाल में आ फंसी। हष्ट-पुष्ट रामरत्न को एक दिन बुखार हुआ तो उतरने का नाम ही न लिया। तीन सप्ताह के इस डॉक्टर से उस डॉक्टर तक दौड़ते रहने पर भी वह सीता को बेटों के भरोसे छोड़कर अनन्त यात्रा पर निकल गया। सीता के लिए ये तीन हफ्ते जीवन के पैसंड सालों पर भारी थे। यूं तो सीता पहले भी अंतर्मुखी थी, परन्तु रामरत्न के जाने के बाद तो वह अवसाद में ही चली गयी। ‘माँ खाना खा लो’ सुबह बड़ी बहू कहती। ‘रख दो कामना’ ‘माँ लीजिये खाना’ शाम को छोटी बहू कहती। ‘रख दो भावना’ और ‘खाना कब तक रखा रहता, कब

अगर दो साइकिल सवार सड़क पर एक-दूसरे से टकराकर गिर पड़ें तो उनके लिए यह लाजिमी हो जाता है कि वे उठकर सबसे पहले लड़ें फिर धूल झाड़ें। यह पद्धति इतनी मान्यता प्राप्त कर चुकी है कि गिरकर न लड़ने वाला साइकिल सवार बुजदिल माना जाता है, क्षमाशील संत नहीं।



अपनी लाड़ली पोतियों को सामने देख उसके हृदय में सब कुछ भूल प्रेम का ज्वार उमड़ पड़ा। हौठ मुस्कुराहट से कांपे तो आंखें फिर से डबडबा आयीं, उसे लेने आयीं हैं, इसी खुशी में।

से आकर गाय का गोबर उठाती थी, खेत से चारा लाती थी, सानी करती थी ताकि उसके बेटे गाय के दूध का सेवन कर तेजस्वी बनें। अगले छह वर्ष में बेटे बारी-बारी हर पन्द्रह दिन में एक बार आते। वही औपचारिक मिलन, घर-रसोई का सामान ले आना, आवश्यक बैंक कार्य और विदा। जो घर उसका था, सिर्फ उसका, अब उसके अधिकांश भाग पर किरायेदारों का कब्जा था। अवसाद में डूबी सीता अब कभी-कभी बहुत अधिक बोलने लगती। घर की घुटन से बाहर निकल अड़ोस-पड़ोस में मुखर होती, किरायेदारों से उलझ पड़ती। लोगों को लगता कि उसका दिमाग चल गया है। बेटों के कानों तक बात पहुंचने लगी। उसे समझाया गया परन्तु समझाया तो नासमझ को जाता है। वह तो सब जानती थी, सबको जानती थी। रामरत्न के जाने के बाद उसने इन्हें ही तो पहचाना था।

अंततः अब यह सेवा आश्रम ही उसका अंतिम ठिकाना था। यहां उसे लाया गया था बिना कुछ पूछे, बिना कुछ बताये। ‘काश! पिताजी मैं तेरे आंगन की ही चिड़िया रहती’ बुदबुदाती हुई सीता ने आंसुओं से तर चेहरा चुनरी से पोछा। दोपहर हो गई थी। सूर्यदेव शिखर से प्रचंड आग बरसा रहे थे। वह उठकर कमरे की ओर जाने लगी तो शहतूत के पेड़ के नीचे पड़े पत्थर पर कुछ चिड़िया दाना चुगते दिखी। वह उन्हें दूर से ही निहारी रही, कहीं पास जाने से ये उड़ न जायें। तभी उसे अपने निकट आते कदमों की आहट सुनाई दी।

‘दादी’ दिशा-निशा दोनों ने एक साथ कहा।

अपनी लाड़ली पोतियों को सामने देख उसके हृदय में सब कुछ भूल प्रेम का ज्वार उमड़ पड़ा। हौठ मुस्कुराहट से कांपे तो आंखें फिर से डबडबा आयीं, उसे लेने आयीं हैं, इसी खुशी में।

‘दादी, कौसी हैं आप’ दिशा-निशा ने उससे लिपटते हुए कहा। ‘अब अच्छी हूँ’ वह फफक पड़ी।

दिशा-निशा ने उसे मुश्किल से चुप कराया। फिर वे दादी को लेकर उनके कमरे में आ गयीं।

‘वाव दादी, कमरा तो अच्छा है।’ दिशा ने कहा।

‘पापा कह रहे थे थोड़ा महंगा जरूर है पर कोई कमी या असुविधा नहीं होगी आपको।’ निशा बोली।

वह समझ गयी पोतियां महज औपचारिकता निभाने आयी हैं। कितनी देर क्या बातें हुईं अपने में ही गुम सीता सुन नहीं पायी। आधे घण्टे बाद वह उन्हें विदा कर कमरे में पड़ी कुर्सी पर बैठी तो सामने पत्थर पर दानें चुग रही चिड़ियां एकाएक फुर्र से उड़ गईं। उन्हें उड़ते देख सीता ने दिशा-निशा की दूर जा रही छायाओं को देखा। उसे एक हिचकी आयी और उसकी गर्दन कुर्सी पर एक ओर लुढ़क रही थी। उसी परिसर के किसी कमरे में गीत बज रहा था ‘चल उड़ जा रे पंछी के अब ये देश हुआ बेगाना।’

हरिभूमि

रोहतक, सोमवार, 21 सितंबर 2026

10

पुस्तक समीक्षा

कालजयी पुस्तक है ‘हरियाणा के हिन्दी साहित्यकार’



समीक्षक

मधुकांत

‘हरियाणा के हिन्दी साहित्यकार’ केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि हरियाणा की उस वैचारिक और बौद्धिक चेतना का जीवंत साक्ष्य है, जिसे अक्सर मुख्यधारा के साहित्यिक इतिहास में वह स्थान नहीं मिल पाया जिसकी वह हकदार थी। भारत की आजादी के अमृत महोत्सव के पावन और ऐतिहासिक अवसर पर इस ग्रंथ का प्रकाशन एक अत्यंत सामयिक और श्लाघनीय कदम है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के पूर्व आचार्य एवं अध्यक्ष डॉ. लालकव्व गुप्त ‘मंगल’ के कुशल संपादन में तैयार यह ग्रंथ हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला द्वारा प्रकाशित किया गया है। पुस्तक का मुख्य उद्देश्य हरियाणा प्रदेश के महत्वपूर्ण हिंदी रचनाकारों के अमूल्य अवदान को एक स्थान पर संकलित कर उसे आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित करना है। पुस्तक का अध्ययन करने पर स्पष्ट होता है कि इसका प्राथमिक लक्ष्य हरियाणा में रचित हिंदी साहित्य के अंतर्गत 75 प्रतिनिधि रचनाकारों के कर्तृत्व और



व्यक्तित्व को एक मंच पर लाया था। इस कसौटी पर यह ग्रंथ पूरी तरह खरा उतरता है। इस ग्रंथ की सबसे बड़ी विशेषता इसका बहुविधतामक होना है। यह किसी एक कालखंड या एक साहित्यिक विधा (जैसे केवल कविता या केवल कहानी) तक सीमित नहीं है। इसमें हिंदी साहित्य के लगभग सभी रूपों जैसे काव्य, गद्य-साहित्य, लोक-साहित्य, इतिहास-लेखन, पत्रकारिता और अनुवाद-कला के विविध आयामों को एक साथ समेटा गया है। पुस्तक में महाकवि सूरदास और गोस्वामी तुलसीदास के साथ हरियाणा के गहरे, ऐतिहासिक संबंधों पर जो प्रामाणिक प्रकाश डाला गया है, वह पाठकों और शोधार्थियों के लिए साहित्यिक इतिहास के नए झरोखे खोलता है। संपादन की दृष्टि से डॉ. लालकव्व गुप्त ‘मंगल’ का अनुभव हर पृष्ठ पर झलकता है। पुस्तक की भाषा-शैली अत्यंत गंभीर, परिमार्जित और तत्समनिष्ठ होते हुए भी बोधगम्य है, जिससे आम पाठक और शोधार्थी दोनों ही बिना किसी उलझन के इसे पढ़ सकते हैं। अपनी प्रामाणिकता, विस्तृत अनुसंधान, विधागत विविधता और समावेशी दृष्टिकोण के कारण यह पुस्तक हिंदी साहित्य के इतिहास-लेखन में एक मील का पत्थर है। यह आने वाली पीढ़ियों, प्राध्यापकों और शोधार्थियों के लिए एक अमूल्य मार्गदर्शिका का कार्य करेगी।

कवि कॉर्नर

कविता विनोद कुमार



हिन्दी की मंदी

राजभाषा की कुंडली में गह-नक्षत्र की चाल है, हिंदी की लंबी मंदी में आया सितंबरी उछाल है।

देवनागरी की घोड़ी पर रोमन लिपि सवार है, मातृभाषा से अधिक हो रहा आंग्ल भाषा का सत्कार है।

हिंदी पखवाड़े में देखो कार्यशाला और सेमिनार है, सरकारी दफ्तरों में धूम मची, साहित्यिक गोष्ठियों में चित्कार है।

कहीं निबंध, कहीं भाषण है, कहीं पुरस्कारों की बहार है, सितंबर में हर तरफ चल रही हिंदी सेवा की बहार है।

चिंता है, चिंतन है, हिंदी पर खूब मंथन है, पखवाड़े में हिंदी-हिंदी, बाकी दिनों में अंग्रेजी की बहार है।

कॉलेज से लेकर कोर्ट तलक जब अंग्रेजी का मायाजाल है, हिंदी को अपनाईं कैसे? यही सबसे बड़ा सवाल है।

दोहे

नरेन्द्र कुमार



जैसे को तैसा

प्रकृति के साथ तुमने, जो जुलूस किया था। जीते जी जानवरों का, जो खून पीया था ॥

जंगल झाड़ू को तुमने, जो नाश किया था। इस आसमान को तुमने, जो धुआं दिया था ॥

ये सब उसी का परिणाम, तुम मर रहे हो। अपनी करनी अपने आप, अब भुगत रहे हो ॥

खिन जुर्म के कैदी सा, जीवन जी रहे हो। अपने घर में डर-डर के, जहर पी रहे हो ॥

छोटे से कण ने क्या? कोहराम मचाया। वो एटम बम भी किसी के, ना काम आया ॥

जोड़ -जोड़ धर राख्या, वो भी ना खया। घर से बाहर निकलते ही, मौत का साथ। ॥

हे भगवान ! ये तेरी, कैसी माया है ? कई दिन में नरेन्द्र की ,समझ में आया है ॥

हुड़दंग से आंसू बहाता लोकतंत्र

व्यंग्य

आसिम अनमोल



इन दिनों सच और झूठ का सबक बड़े ही कलात्मक ढंग से सिखाया जा रहा है। जेन जी के साथ संवाद करने की कला को वाई के आकार के बने रैंप पर चलकर युवाओं के दिलों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। देश की सियासत महंगाई और विकास के नाम पर भली ही टाटा, बाय-बाय कर ले। लेकिन लोगों के दिलों तक पहुंचने का रास्ता इतना चमकदार और मजबूत होना चाहिए। लोग बातों में ही खोए रहें, और बहकते रहें। हमारे देश में जो दिखता है वही बिकता है। इसी तर्ज पर भारतीय राजनीति में जितना शाब्दिक हुड़दंग होगा, उतना ही राजनीति करने वालों के प्रति लोग आकर्षित नजर आएंगे।

इस हुड़दंग से एक चीज तो बिल्कुल साफ़ हो जाती है कि अगर किसी को राजनीति सीखकर कामयाबी के शिखर को छूना हो तो कोई हमारे यहां की राजनीति में आ सकता है। सीखने के लिए कोई चार्ज नहीं लगता है। बस हुड़दंग करने की आपके अंदर कुव्वत और राजनीतिक कला होनी चाहिए। क्योंकि हुड़दंग और कलात्मक ढंगों के बिना न ही आप राजनीतिक सफर को आगे बढ़ा

इस हुड़दंग से एक चीज तो बिल्कुल साफ़ हो जाती है कि अगर किसी को राजनीति सीखकर कामयाबी के शिखर को छूना हो तो कोई हमारे यहां की राजनीति में आ सकता है। सीखने के लिए कोई चार्ज नहीं लगता है। बस हुड़दंग करने की आपके अंदर कुव्वत और राजनीतिक कला होनी चाहिए। क्योंकि हुड़दंग और कलात्मक ढंगों के बिना न ही आप राजनीतिक सफर को आगे बढ़ा सकते हैं और न ही मीडिया की नजर में आप राजनीति में कामयाब होने का परसेंटेज बढ़ा सकते हैं।

सकते हैं और न ही मीडिया की नजर में आप राजनीति में कामयाब होने का परसेंटेज बढ़ा सकते हैं। राजनीति में हुड़दंग बड़ी ही मुफीद चीज है साबित होती है। जब तक हुड़दंग नहीं होगा, तब तक हाई कमान के द्वारा तक कोई खास निर्णय नहीं लिए जाएंगे। इसलिए राजनीतिक हुड़दंग कभी भी आम ईंसान को मयसर नहीं होती। न ही उसको हाई कमान की तरफ से चुनाव लड़ने के

लायक समझा जाता है। जो हुड़दंग करके सैकड़ों-लाखों की भीड़ इकट्ठा करने में सक्षम होता है। उसको ही मैदान में धकेला जाता है। यह हुड़दंग का ही तो कमाल होता है कि हमारे माननीयों द्वारा सदन तक में एक-दूसरे के कपड़े फाड़ने व मेज़ कुर्सी तोड़ने का प्रयास किया जाता है। वो तो गनीमत रहता है कि जिस्म के निचले हिस्से के वस्त्रों ने कभी कोई विरोध की आवाज नहीं उठाई। वर्ना

एक और अजूबा रिकार्ड राजनीति के इतिहास में दर्ज होकर रह जाता। हुड़दंग अपने आपमें कुशल राजनीति करने का अभिन्न अंग बन चुका है। हुड़दंग एक अदना से कार्यकर्ता को भी लाइम लाइट में लाकर विभिन्न चैनलों का बादशाह बना देता है। हुड़दंग ही कभी-कभी जनता को जागरूकता की ओर अग्रसर कर देता है। कभी-कभी सार्थक हुड़दंग से ही सत्ता परिवर्तन हो जाता है। हुड़दंग अगर न होता तो राजनीति की कोई पूछ ही नहीं होती।

राजनीति का प्लेटफार्म हाशिये पर लावारिश पड़ा होता। यह हुड़दंग की ही जरां नवाजी है। जिसने हाथ पैर उछाल-उछालकर, गुला फाड़ फाड़कर राजनीति को एक नामचीन चीज बना दिया। यह हुड़दंग की ही पावर है जो बड़े-बड़े प्रस्ताव को भी मंजूर कराने की हिम्मत रखता है। हुड़दंग ही एक ऐसा पासा है जो राजनीतिक जमीन पर जब पेंका जाता है तो लोकतंत्र भी बेचारा आंसू बहाता नजर आता है।

लघु कथा

दो लिफाफे

सड़क किनारे दो-तीन मूंगफली वाले अपनी-अपनी रेहड़ी लगाए बैठे थे। एक रेहड़ी पर काफी भीड़ थी। जोगिंदर भी उसी ओर बढ़ गया। उन्होंने देखा, लगभग सोलह-सत्रह साल का लड़का तेजी से मूंगफली तौल-तौलकर लोगों को दे रहा था। मूंगफली एक लिफाफे में डालने के बाद वह उसे एक और लिफाफे में रखकर ग्राहक को देता था। जोगिंदर



डॉ. अंजना गर्ग

कहानीकार

का नंबर आया तो उसने पूछा, “एक लिफाफे में डालने के बाद दूसरे लिफाफे में क्यों डालते हो? आजकल दुकानदार तो एक लिफाफा भी बड़ी मुश्किल से देते हैं।” लड़के ने मुस्कराकर लिफाफे की ओर इशारा किया, “साहब, शायद आपने लिफाफे के बाहर लिखा हुआ नहीं पढ़ा।” जोगिंदर ने लिफाफा देखा। उस पर लिखा था—

“मूंगफली खाने के बाद कृपया छिलके इसमें डालें। गांठ लगाकर पास के डस्टबिन में डाल दें।” जोगिंदर ने आश्चर्य से पूछा, “लेकिन अगर लोग तुम्हारी बात नहीं मानेंगे तो?” “सभी नहीं मानेंगे, साहब,” लड़का सहजता से बोला, “लेकिन कुछ तो जरूर मानेंगे।” वह थोड़ी देर रुका और फिर बोला, “लोग मूंगफली खाकर टून के डिब्बों में, बसों में, सड़क किनारे और पार्कों में हर जगह छिलके डाल देते हैं। अपना घर साफ रखते हैं, लेकिन बाहर की सफाई को अपनी जिम्मेदारी नहीं समझते। मैंने सोचा, अगर मैं अपनी ओर से छोटा-सा प्रयास करूं तो शायद अपने राष्ट्र के स्वच्छता अभियान में थोड़ा-सा योगदान दे सकूँ।”

जोगिंदर के पास कोई जवाब नहीं था। उसकी नजर फिर उस लड़के पर पड़ी। उसे लगा, हम पढ़े-लिखे लोगों से तो यह अनपढ़-सा लड़का कहीं आगे निकल गया- राष्ट्र की सेवा का अर्थ समझने में।

स्किल्स का संयोजन

■ फ्रेशर्स के लिए बेजुएशन + डिजिटल मार्केटिंग रिक्रस + प्रैक्टिकन नॉलेज + कम्प्युकिेशन रिक्रस का संयोजन उपयोगी हो सकता है। यह रखे कि सर्टिफिकेट आपको एंट्री दिला सकता है, लेकिन आपको रिक्रस और रिजल्ट देने को झुमता आपका करियर आगे बढ़ाती है।



करियर विकल्प

डिजिटल मार्केटिंग की जरूरत आईटी, ई-कॉमर्स, एजुकेशन, बैंकिंग, हेल्थकेयर, रियल एस्टेट, होस्पिटैलिटी, ऑटोमोबाइल, रिटेल और स्टार्टअप सहित कई इंडस्ट्री में है।

■ एसईओ स्पेशलिस्ट – वेबसाइट की सर्व इंजन विजिबिलिटी और रैंकिंग बेहतर करना।

■ गुगल एड्स स्पेशलिस्ट – पेड एडवर्टाइजिंग कैपेन और कन्वर्जन को मैनेज करना। डिजिटल मार्केटिंग में सफल करियर के लिए केवल कोर्स या सर्टिफिकेट पर्याप्त नहीं है। प्रैक्टिकल रिक्रस, लाइव प्रोजेक्ट्स, इंटरनशिप, पोर्टफोलियो और लगातार सीखने की आदत आपको इंडस्ट्री के लिए अधिक जॉब-रेडी बना सकती है।

सैलरी इन इंडिया

डिजिटल मार्केटिंग सैलरी इन इंडिया उम्मीदवार की रिक्रस, अनुभव, लोकेशन, कंपनी और स्पेशलाइजेशन पर निर्भर करती है। फ्रेशर्स आमतौर पर एंट्री-लेवल रोल से शुरुआत करते हैं, जबकि एसईओ, परफॉमेंस मार्केटिंग, गुगल एड्स, एनालिटिक्स और एआई टूल्स में सर्टिफिकेट रखने वाले प्रोफेशनल्स अनुभव के साथ बेहतर अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

सुझाव: किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य शिक्षित सलाहकार से सलाह अवश्य लें। अधिक जानकारी के लिए आप Career Jaano पर भी विजिट कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

फसल पंजीकरण के लिए पोर्टल दोबारा खुला

हांसी। खरीफ-2026 की फसलों का मेरी फसल-मेरा ब्योरा पोर्टल पर पंजीकरण करवाने से वंचित रहे किसानों के लिए सरकार ने पोर्टल को दोबारा खोलने का निर्णय लिया है। अब किसान 21 सितंबर से 27 सितंबर तक अपनी खरीफ फसलों का पंजीकरण पोर्टल पर करवा सकेंगे। एसडीएम राजेश खोथ ने बताया कि जिन किसानों की खरीफ-2026 की फसलों का पंजीकरण निर्धारित अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 तक पोर्टल पर नहीं हो पाया था, वे अब इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं। किसान स्वयं ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं अथवा सीएससी सेंटर पर जाकर पोर्टल पर दर्ज करवा सकते हैं।

बाबा रामदेव का 48वां अर्धवार्षिक महोत्सव आज

हिसार। ब्रह्मलीन भक्त भारीरथ उर्फ लीलूराम द्वारा गांव कैमरी में वाटर वर्क्स के नजदीक स्थापित किए गए बाबा रामदेव हनुमान मंदिर में 21 सितम्बर को बाबा रामदेव का अर्धवार्षिक महोत्सव आयोजित किया जाएगा। मंदिर के पुजारी कर्ण सिंह ने बताया कि सुबह 5 बजे आरती के साथ ही भक्तों का आना शुरू हो जाएगा जोकि रात्रि तक जारी रहेगा। बाबा रामदेव की पूजा-अर्चना के लिए आसपास के गांवों से व विभिन्न शहरों से हजारों श्रद्धालु मंदिर में पहुंचेंगे। मंदिर में कई तरह की स्टालें लगाई जाएंगी।

असी तकदे रहना हे दाती तेरिया रावां... भजन से हर्ष सिकंदर ने बांधा समा

पटेल नगर में 17वां विशाल भगवती जागरण में उमड़ा आस्था का सैलाब

हरिभूमि न्यूज ►► हिसार

पटेल नगर मेन मार्केट ग्राउंड में 17वां मां वैष्णो सेवा समिति की ओर से मां भगवती का विशाल जागरण हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस मौके पर मेयर प्रवीण पोपली व पूर्व मेयर गौतम सरदाना ने शिरकात की।

पं. ओमप्रकाश शर्मा ने पूजा अर्चना करवाई और इसके उपरांत जागरण में भजन गायकों ने समां बोंधा। विख्यात गायक हर्ष सिकंदर ने मां के भजनों से भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। 'असी तकदे रहना हे दाती तेरिया रावां नूं', नरायातों दे दिन आ गए, मेरा दिल करदा तेरे दर तू किदै ना जावा मैं, कदी आवी तू घर मेरे, माँ घर मेरा निक्का जिहा, गौरां माँ दे लाल नूं, मेरी मैया चिंतपूर्णी, मनावार्गे अज गौरां जी दे लाल



हिसार। जागरण में पूजा-अर्चना करते भक्तजन।

फोटो: हरिभूमि

नूं,गौरां जी दे लाल नूं, शिव जी दे लाल नूं' जैसे भजनों से कलाकारों ने भक्तों को जागरण में जमाए रखा। हर्ष सिकंदर, शिवा सागर दिल्ली, वैष्णवी शीशवाल, रिकू खुराना, अशोक लाली, सुदर्शन मुखीजा भजनों से महामाई का गुणगान किया। इस दौरान पार्षद राजेश अरोड़ा, पार्षद राजेंद्र बिड़लान, पूर्व पार्षद महेंद्र जुनेजा के अलावा मां वैष्णो सेवा

समिति से जुड़े पदाधिकारी व सदस्य अश्वनी चुध, अमित खनेजा, विककी नारंग, प्रिंस छाबड़ा, सुदर्शन मुखीजा, संचित सिंधवानी, अमित, ध्रुव, अनित सिंधवानी, हरीश छाबड़ा, जितेंद्र खनेजा, श्याम तधु विशेष रूप से मौजूद थे। प्रधान हरीश छाबड़ा ने बताया कि इस दौरान जरूरतमंद कन्याओं का शुभ विवाह भी करवाया गया।

विदेश भेजने के नाम पर 22 लाख की टगी, दो गिरफ्तार

हिसार। विदेश भेजने के नाम पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर 22 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में जिले की आर्थिक अपराध शाखा ने दो आरोपियों को गुजरात के राजकोट स्थित जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लाकर गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी पहले से राजकोट जेल में बंद थे। आर्थिक अपराध शाखा के सब इंस्पेक्टर वेद प्रकाश ने बताया कि सेक्टर-15 निवासी दिनेश की शिकायत पर 12 जुल 2025 को सिविल लाइन थाना में मामला दर्ज किया गया था। शिकायत के अनुसार आरोपियों ने विदेश भेजने का झांसा देकर फर्जी अपॉइंटमेंट लेटर दिया और प्रक्रिया के नाम पर उससे 22 लाख रुपये ले लिए। जांच के दौरान सामने आया कि मामले में नामजद दोनों आरोपी राजकोट जेल में बंद हैं। इसके बाद आर्थिक अपराध शाखा की टीम ने ब्यायालय से अनुमति लेकर दोनों को प्रोडक्शन वारंट पर हिसार लाकर गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान सिलीगुड़ी वेस्ट निवासी अजय मोहपाल व नई दिल्ली निवासी विकास के रूप में हुई है।



सबके हक की लड़ाई लड़ रही कांग्रेस, साथ दे जनता: संजय



आदमपुर। यहां के उत्सव गार्डन में आयोजित ब्लॉक स्तरीय कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में सैकड़ों कार्यकर्ता जुटे। कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी जिंदाबाद के नारे लगाए। सम्मेलन की संबोधित करते हुए प्रदेश प्रमारी संजय दास ने कहा कि आदमपुर चुनाव में बदलाव कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है। संगठन को मजबूत करते हुए आगामी हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए कार्यकर्ताओं को तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सभी वर्गों के हकों की लड़ाई लड़ रही है। प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने भाजपा पर वादे पूरे नहीं करने का आरोप लगाते हुए कहा कि महंगाई से जनता परेशान है। भाजपा की कथनी और करनी में अंतर है और लोग खुद को ठग आ महसूस कर रहे हैं। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान विकास में नंबर एक रहा हरियाणा। अब बेरोजगारी, नशे और अपराध में नंबर एक हो गया है। उन्होंने भाजपा सरकार पर चुनाव में धनबल और प्रशासन के दुरुपयोग का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा बड़ी-बड़ी बातें करती है, लेकिन उन्हें पूरा नहीं करती। विधायक चंद्रप्रकाश ने कहा कि जनता महंगाई, बेरोजगारी और कानून व्यवस्था की स्थिति से परेशान है।

आस्था

बरवाला शहर में श्रद्धालुओं ने निकाली शोभायात्रा

भगवान गणेश की मूर्ति का खरक पूनिया नहर में बाजे-गाजे संग किया विसर्जन

हरिभूमि न्यूज ►► हिसार

श्री गणेश महोत्सव मंडल के तत्वावधान में गणपति चौक में आयोजित 17वें श्री गणेश महोत्सव का समापन हुआ। इस गणेश महोत्सव के अंतिम दिन शाम को श्री गणेश महाराज की मूर्ति का खरक पुनिया नहर में विसर्जन किया गया। मंडल के प्रधान शिव कुमार सोनी और कोषाध्यक्ष पवन शर्मा ने बताया कि इस महोत्सव के अंतिम दिन गणपति चौक में पुरोहित सत्यनारायण शर्मा की देखरेख में हिंदू रीति रिवाज के अनुसार पूरे



बरवाला। मूर्ति को ट्रैक्टर-ट्रॉली में विराजमान करके शोभा यात्रा निकालते श्रद्धालु।

संत्रोच्चारण के साथ हवन यज्ञ किया गया। फिर श्री गणेश महाराज की मूर्ति को ट्रैक्टर ट्राली में विराजमान करके बरवाला शहर में शोभायात्रा निकाली गई। मंच संचालन अनिल

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर मंडल उपप्रधान विजय सहवाल, कोषाध्यक्ष पवन शर्मा, एडवोकेट प्रतीक कथूरिया, मयंक गोयल, प्रदीप कथूरिया, सूरज सेतिया, उमेश मखीजा, रिकू सरदाना, एडवोकेट कुश शर्मा, अजय कथूरिया, एडवोकेट लव शर्मा, शिवम व महासचिव हर्ष भारती समेत अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

यात्रा गणपति चौक से आरंभ होकर मेन बाजार, पुराना बस अड्डा, अप्रसेन चौक व जींद मार्ग से होती हुई खरक पूनिया नहर तक निकाली गई।

टेबल टेनिस स्पर्धा में छात्रा चहक ने जीता कांस्य पदक



हांसी। पदक विजेता चहक को सम्मानित करते आयोजन समिति सदस्य।

हांसी। श्री कृष्ण प्रणामी पब्लिक स्कूल की कक्षा 12वीं कला संकाय की छात्रा चहक ने टेबल टेनिस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान हासिल कर कांस्य पदक जीता। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न नामी स्कूलों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जिसमें चहक ने अपने खेल कौशल और शानदार प्रदर्शन से अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। चहक की इस उपलब्धि पर श्री कृष्ण प्रणामी पब्लिक स्कूल में खुशी का माहौल है। विद्यालय पहुंचने पर शिक्षकों एवं स्टाफ ने छात्रा को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के प्राचार्य अनिल कुमार ने कहा कि चहक ने मेहनत, लगन और निरंतर अभ्यास के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि एसडीएम कार्यालय के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। चहक की सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक है।

अनुदान पर खरीदी गई मशीनों का आज से मौलिक सत्यापन

हांसी। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन योजना के तहत अनुदान पर खरीदी गई कृषि मशीनों का मौलिक सत्यापन 21, 22 एवं 23 सितंबर को किया जाएगा। सहायक कृषि अभियंता गोपीराम सांगवान ने बताया कि उपायुक्त द्वारा गठित कमेटी मौके पर मशीनों का सत्यापन करेगी। गोपीराम सांगवान ने बताया कि 21 सितंबर को बेतर, हे रेक व श्रेड मॉस्टर का सत्यापन होगा। हांसी के किसानों के लिए हुडा सेक्टर-5, कॉर्ट कॉम्प्लेक्स के पीछे, हांसी में सुबह 10 से 11:30 बजे तक तथा नारनौद-बास के किसानों के लिए एसडीएम कार्यालय, नारनौद के नजदीक दोपहर 12 से 2 बजे तक सत्यापन होगा। उन्होंने बताया कि 22 सितंबर को सुपर सीडर मशीनों का सत्यापन होगा। हांसी में हुडा सेक्टर-5 तथा नारनौद-बास में एसडीएम कार्यालय, नारनौद के नजदीक सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक सत्यापन किया जाएगा। इसी तरह 23 सितंबर को रिपर ब्लाडर, जोरो टिल ड्रिल, सुपर एसएमएस, मल्टर, लोडर आदि मशीनों का सत्यापन होगा। हांसी में सुबह 10 से 11 बजे तक तथा नारनौद-बास में बीएओ कार्यालय, बास के नजदीक दोपहर 12 से 2 बजे तक सत्यापन होगा। उन्होंने कहा कि किसानों को मशीन के साथ बिल की मूल प्रति, ई-वे बिल, मशीन की फोटो तथा परमिट लाना होगा। निर्धारित तिथि, समय और स्थान पर उपस्थित नहीं होने पर दूसरा अवसर नहीं दिया जाएगा।

हनुमान मंदिर, नागोरी गेट में से मनाई गई राधाष्टमी



हिसार। हनुमान मंदिर में भजन गाते भजन गायक भैया दिव्य दास।

हिसार। श्री हरियाणा कुरुक्षेत्र सनातन धर्म मंदिर ट्रस्ट, नागोरी गेट के तत्वाधान में मंदिर प्रांगण में प्रमोद कुमार भित्तल सीए व नरेश कुमार गर्ग के सानिध्य में देव पूजन के साथ राधाष्टमी महोत्सव का शुभारंभ किया गया। अनुज शर्मा पुत्र स्व. प्रमोद शर्मा के नेतृत्व में निर्मित राधा कृष्ण का भव्य फूलों का बंगला आकर्षण का केंद्र रहा। मंदिर में आलौकिक लाईट व सजावट की व्यवस्था की गई। मंदिर ट्रस्ट के प्रधान कैलाश चंद्र चौधरी एडवोकेट व महोत्सव प्रबंधक प्रमोद कुमार भित्तल सीए ने बताया कि महोत्सव में नगर के प्रसिद्ध भजन गायक भैया दिव्य दास व उनके साथियों द्वारा राधा रानी के भजन गाये गये। बड़ी संख्या में भक्तजनों ने कार्यक्रम का आनंद लिया। समाप्ति पर आरती के पश्चात प्रसाद वितरित किया गया।

कुलपति ने किया प्रयोगशालाओं का निरीक्षण, विद्यार्थियों से लिया फीडबैक

- हकुवि के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में हुआ एंटी-रैगिंग छात्र संवाद कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ►► हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में एंटी-रैगिंग छात्र संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज मुख्य अतिथि रहे। इस दौरान छात्र संवाद, प्रयोगशालाओं का भ्रमण तथा पौधारोपण भी किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों और विश्वविद्यालय प्रशासन के बीच संवाद स्थापित करना था।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुशासन, व्यावहारिक शिक्षा, नवाचार तथा व्यक्तित्व विकास के महत्व पर जोर



हिसार। प्रयोगशाला का निरीक्षण करते कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज।

दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक सुविधाओं के साथ साथ खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने वरिष्ठ विद्यार्थियों से अपने कनिष्ठ साथियों का मार्गदर्शन एवं सहयोग करने का आह्वान किया। कुलपति ने महाविद्यालय की विभिन्न प्रयोगशालाओं एवं शैक्षणिक सुविधाओं का भी निरीक्षण किया तथा विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से शिक्षण-अधिगम, अनुसंधान,

जिले के विभिन्न क्षेत्रों में आज व कल होंगे नुकड़ नाटक

हिसार। हरियाणा सरकार के कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा नमो सेवा अमकही कहलियाँ अभियान के तहत 21 व 22 सितंबर को जिले के विभिन्न क्षेत्रों में नुकड़ नाटक का आयोजन होगा। यह आयोजन राज्य सरकार के सेवा संकल्प अभियान का एक मुख्य हिस्सा है, जिसके सफल क्रियान्वयन के लिए उच्च क्रांति के कलाकारों की 5 विशेष टीमें गठित की गई हैं। विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि नमो सेवा-अमकही कहलियाँ एक अनूठा अवसर है। इसका मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन, उनकी वैदगम्यता और केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से आम नागरिकों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों को उजागर करना है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित होंगे स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

हांसी। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में जनसेवा और जनभागीदारी को भावना को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न स्थानों पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। सिविल सर्जन डॉ.



राहुल बुद्धिराजा ने बताया कि रक्तदान शिविरों के आयोजन की इस कड़ी में 22 सितंबर को एसडी महिला कॉलेज में नेवर फ्रेड्स जेएसआई, स्टाफ द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। इसी प्रकार 29 सितंबर को नदी गांव स्थित जय घर दत्ताना सिसाय कालीरामण में वाम पंचायत द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लानाया जाएगा। तीनों शिविरों में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा रक्त संवह के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएंगी। डॉ. राहुल बुद्धिराजा ने कहा कि रक्तदान एक महत्वपूर्ण सामाजिक सेवा है। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित किए जा रहे ऐसे शिविर समाज में सहयोग, संवेदनशीलता और जनभागीदारी की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने नागरिकों से इन शिविरों में बढ़-चढ़कर भाग लेने और स्वच्छ सेवा रक्तदान करने का आह्वान किया।

खबर संक्षेप



शिविर में जांचा 250 छात्राओं का स्वास्थ्य

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंद्रिया चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की जांच एवं उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में महाविद्यालय की 250 छात्राओं के कद, वजन एवं हीमोग्लोबिन सहित विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी जांच की गई। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मोनिका शर्मा ने बताया कि विद्यार्थियों का औसत हीमोग्लोबिन स्तर 12.91 ग्राम प्रति डेसीलीटर, औसत वजन 52.34 किलोग्राम तथा औसत बाँड़ी मास इंडेक्स 20.74 किलोग्राम/वर्ग मीटर पाया गया, जो सामान्य एवं अच्छे स्वास्थ्य का संकेत है।

‘प्रेरणा टॉकीज कहानियां जो हैसला दे’ का शुभारंभ
हांसी। जिला प्रशासन द्वारा सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, रचनात्मक सोच और आत्मविश्वास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक अनूठी पहल शुरू की गई है। उपायुक्त राहुल नरवाल के नवाचार एवं मार्गदर्शन में ‘प्रेरणा टॉकीज कहानियां जो हैसला दे’ नामक विशेष प्रोजेक्ट का जिले के चयनित सरकारी स्कूलों में पायलट आधार पर शुभारंभ किया। उपायुक्त ने बताया कि इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य बच्चों को पढ़ाई के पारंपरिक तरीके से आगे ले जाकर उन्हें प्रेरणादायक कहानियों और देशसेवा से जोड़ना है।

एआई से बनाई फोटो शेयर करने से पहले सोचें
हांसी। ऑर्टोफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल के बीच हांसी पुलिस ने लोगों को सोशल मीडिया पर एआई से तैयार फोटो और वीडियो साझा करने को लेकर सावधानी बरतने की अपील की है। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने कहा कि आज एआई की मदद से किसी व्यक्ति की फोटो का हुलिया बदलना, उम्र बढ़ाना या घटाना, चेहरा बदलना तथा वीडियो में बदलाव करना कुछ ही सेकंड में संभव है। कई बार लोग इसे मजाक या मनोरंजन के लिए करते हैं, लेकिन बिना अनुमति ऐसी सामग्री सोशल मीडिया पर डालना परेशानी का कारण बन सकता है।

जिला सैन सभा की कार्यकारिणी का विस्तार

हिसार। जिला सैन सभा की ऋषि नगर स्थित धर्मशाला में चल रहे विकास कार्यों को और गति देने के उद्देश्य से सभा की कार्यकारिणी का विस्तार किया गया है। जिला सैन सभा के अध्यक्ष राममेहर हरिकोट व महासचिव नरेश सेलपाड ने कार्यकारिणी के पदाधिकारियों के साथ विचार-विमर्श के बाद सुरेंद्र सरोहा को सह-कोषाध्यक्ष तथा जितेंद्र चौधरीवास को सह-सचिव का दायित्व सौंपा। जिला सैन सभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेंद्र दिनोदिया ने बताया कि सुरेंद्र सरोहा को वित्तीय प्रबंधन का व्यापक अनुभव है, इसलिए उन्हें सह-कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है।

झुग्गी बस्ती की पाठशाला में लगा स्वास्थ्य जांच शिविर

हिसार। ग्रीष्म नहीं किताब दो संस्था की ओर से सेक्टर 16 की झुग्गी बस्ती में संचालित पाठशाला में स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के तहत स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। शिविर में छात्रों और उनके अभिभावकों की स्वास्थ्य जांच की गई तथा जरूरत के अनुसार निःशुल्क उपचार और दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। संचालिका अनु विनिया ने बताया कि संपूर्ण फिजियोथेरेपी एंड नेचुरोपैथी सेंटर के संचालक डॉ. संदीप कलियाणा और उनकी टीम ने स्वास्थ्य जांच की। होपमिक्स वैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से आयोजित शिविर में सीबीसी, ब्लड ग्रुप सहित विभिन्न स्वास्थ्य जांच की गई। अनु विनिया ने कहा कि संस्था गरीब और जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा उपलब्ध करवाने के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य की जांच करवाने की जिम्मेदारी भी निभा रही है। इसी कड़ी में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर मंजू देवी, डॉ. नदिनी, रिशेरा, रवि शर्मा, अंकुर, हरीश, रोहित और रोहन जोशी आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार

फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005

पाखंड के खिलाफ आर्य समाज ने बनाई 51 सदस्यीय संघर्ष समिति

जब तक देश में पाखंड रहेगा तब तक आर्य समाज का संघर्ष रहेगा जारी : आदित्यवेश



हिसार। चिंतन बैठक एवं पाखंड खंडन संगोष्ठी में उपस्थित गणमान्य व्यक्ति।

फोटो: हरिभूमि

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पाखंड के खिलाफ गुरुडम नाम से नया गीत भी जारी किया गया। गीत आर्य समाज के भजनोपदेशक रामनिवास ने गाया है और इसे रामराख आर्य ने लिखा है। बैठक में शमसेर आर्य, जगतपाल शास्त्री, इंद्रपाल, बलबीर देशवाल, देवेंद्र सेनी, डॉ. विवेकानंद, देवेंद्र

उपपल, इंद्रजीत शास्त्री, वेद प्रकाश, देवदत्त आर्य, आचार्य कर्मबीर, सूर्यदेव वेदांशु, एडवोकेट हिमांशु खोवाल, सतप्रकाश, जयवीर सेनी, बलचंत आर्य, सत्यवान आर्य, सेठ मांगेराम, मनोज आर्य सहित विभिन्न स्थानीय एवं ग्रामीण आर्य समाजों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

उल्लेख करते हुए सरकार से मामले में संज्ञान लेने और सक्षम न्यायालय के माध्यम से जमानत निरस्त कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि जब तक देश में पाखंड रहेगा, आर्य समाज का संघर्ष जारी रहेगा। गुरुकुल धीरणवास के कार्यकारी प्रधान सुबेसिंह आर्य ने कहा कि आर्य समाज पाखंड के खिलाफ मजबूती से लड़ रहा है और यह संघर्ष लंबा चल सकता है। दलबीर

बैठक में आठ प्रस्ताव किए पारित

बैठक में आठ प्रस्ताव पारित किए गए। इनमें रामपाल दास से जुड़ी कथित आपतिजनक टिप्पणियों की निंदा, उसकी जमानत निरस्त कराने की मांग, धनाना धाम से जुड़ी कथित हथियार लहराने और धमकी की घटना में कार्रवाई, एआई व सोशल मीडिया के कथित दुरुपयोग की साइबर जांच, वैदिक एवं वैज्ञानिक विचारों के प्रचार तथा पाखंड और नशे के खिलाफ जनजागरण अभियान चलाने के प्रस्ताव शामिल रहे। इसके

आलावा सर्वखाप और ग्राम पंचायतों से गंभीर अपराधिक मामलों के आरोपियों का महिमागंडन नहीं करने की अपील की गई। आठवें प्रस्ताव में ऐसे जनप्रतिनिधियों और राजनेताओं की वीडियो के स्क्रीनशॉट सुरक्षित रखने का निर्णय लिया गया, जो संगठन के अनुसार हत्या और देशद्रोह के आरोपी रामपाल के डेरे में जाते हैं। बैठक में कहा गया कि समाज आने पर आर्य समाज इस संबंध में जवाब लेगा।

आर्य ने ऋषि दयानंद के विचारों और स्वतंत्रता आंदोलन में आर्य

आलावा सर्वखाप और ग्राम पंचायतों से गंभीर अपराधिक मामलों के आरोपियों का महिमागंडन नहीं करने की अपील की गई। आठवें प्रस्ताव में ऐसे जनप्रतिनिधियों और राजनेताओं की वीडियो के स्क्रीनशॉट सुरक्षित रखने का निर्णय लिया गया, जो संगठन के अनुसार हत्या और देशद्रोह के आरोपी रामपाल के डेरे में जाते हैं। बैठक में कहा गया कि समाज आने पर आर्य समाज इस संबंध में जवाब लेगा।

आर्य ने ऋषि दयानंद के विचारों और स्वतंत्रता आंदोलन में आर्य

सीनियर एथलेटिक्स स्पर्धा का समापन

- 400 मीटर दौड़ में लव और 400 मीटर बाधा दौड़ में सुमन ने हासिल किया पहला स्थान



हिसार। 400 मीटर हर्डल दौड़ में स्वर्ण पदक विजेता सुमन।

फोटो: हरिभूमि

विजेता खिलाड़ियों को किया सम्मानित

समापन समारोह में एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के सदस्य राजकुमार मितान, एथलेटिक्स हरियाणा के अध्यक्ष दिलबाग सिंह और नरवाना के एडीए संजीत सिंह बैनीवाल मौजूद रहे। महासचिव प्रदीप मलिक और मीडिया प्रमारी सत्यवीर धनखंड ने बताया कि प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। एथलेटिक्स हरियाणा के उपाध्यक्ष जितेंद्र बांगड, वरिष्ठ संयुक्त सचिव कुलदीप अहलावत, बीरबल दूहन, सतीश पेंवाल, सोहनलाल, विकास गहलावत और सूरत गुर्जर ने खिलाड़ियों को सम्मानित किया।



सूर्य नगर अंडरपास में अब दिखेगी रंग-बिरंगी वर्ली आर्ट

हिसार। शहर को सुंदर बनाने की मुहिम के तहत ‘हमारा प्यार हिसार’ संस्था ने रविवार को होली चाइल्ड सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों के साथ मिलकर सूर्य नगर अंडरपास में चल रही पेंटिंग गतिविधि को आगे बढ़ाया। इस दौरान अंडरपास की दीवारों पर क्लाइट पेंट का बेस तैयार किया गया। आने वाले हफ्तों में इसी बेस पर आकर्षक और रंग-बिरंगी वर्ली आर्ट बनाई जाएगी। अभियान में स्कूली बच्चों की भागीदारी का उद्देश्य

उनमें छोटी उम्र से ही सामाजिक जिम्मेदारी, सेवा भावना और अपने शहर के प्रति लगाव विकसित करना है। संस्था के सदस्यों ने बताया कि अंडरपास की दीवारों को कलात्मक रूप देकर शहर के इस हिस्से को आकर्षक बनाने का प्रयास किया जा रहा है। अभियान में सुशील खरीटा, डॉ. मंगलसेन मलिक, प्रो. हरीश भाटिया, अदेश मलिक, कमल भाटिया, सत्येंद्र यादव, जितेंद्र बंसल, गगन मेहता, युद्धवीर पन्नी आदि रहे।

आरडीसी के लिए कैडेट्स चयनित

- वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में कैडेट्स के अनुशासन, कोशल और प्रतिभा का किया आकलन



हिसार। कैडेट्स के चयन अवसर पर उपस्थित अधिकारी।

फोटो: हरिभूमि

बेहतरीन नृतक व गायकों को किया चयन

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए बेहतर प्रदर्शन करने वाले नर्तकों और गायकों का चयन किया गया। कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक चयन प्रक्रिया में भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कर्मांडिंग ऑफिसर कर्नल सुनील कटारिया ने आरडीसी की तैयारियों के लिए अनुशासन, समर्पण के लिए प्रेरित किया। शिविर में बटालियन के प्रशासनिक अधिकारी कर्नल किशन दत्त, कैप एडजूडेंट लेफ्टिनेंट हेमंत शर्मा, सुवेदार मेजर मनवीर, एनसीसी अधिकारी मौजूद रहे।

पहल पिछले आठ वर्षों में संस्था ने लगाए लगभग 27 हजार पौधे

ग्रीन ग्लोबल ग्रुप ने लिया जुगलान को हरा-भरा करने का संकल्प, अब तक लगाए 2351 पौधे

- रविवार को ग्रुप के सदस्यों ने चौथी बार गांवों वल्लों के सहयोग से 651 पौधे लगाए



हिसार। जुगलान में पौधारोपण करते ग्रीन ग्लोबल ग्रुप के सदस्य व गांव के गणमान्य लोग।

फोटो: हरिभूमि

ग्रुप के कार्यों को सराहते हैं। इसके साथ ही अब ग्रुप ने निकटवर्ती गांव जुगलान को पूरी तरह हरा-भरा करने के लिये गांव में 10 हजार पौधे

लगाने का संकल्प लिया है। इसी कड़ी में रविवार को ग्रुप के सदस्यों ने गांव वालों के सहयोग से चौथी बार में 651 पौधे लगाये। इससे पहले

तीन बार में क्रमशः 650, 500 व 550 पौधे लगाये जा चुके हैं। गांव के लोग पूरी तरह ग्रुप के साथ मिलकर



हिसार। ग्रामीणों को जागरूक करते उप निरीक्षक हवा सिंह। फोटो: हरिभूमि

सलेमगढ़-मिंगनीखेड़ा में नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान

- 125 विद्यार्थियों को किया जागरूक, 18 नशा पीड़ितों को उपवास व काउंसलिंग से जोड़ा
- साइबर व महिला अपराध से बचाव पर दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज

हिसार

पुलिस की नशा मुक्ति टीम ने जिले को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से थाना सदर क्षेत्र के गांव सलेमगढ़ व मिंगनीखेड़ा में जागरूकता एवं उपचार अभियान चलाया। अभियान के दौरान विद्यार्थियों और ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के साथ नशा पीड़ितों को उपचार और काउंसलिंग की सुविधा उपलब्ध करवाई गई। सलेमगढ़ के राजकीय उच्च विद्यालय में मुख्य अध्यापक रामफल की मौजूदगी में नशा मुक्ति टीम के सब इंस्पेक्टर हवा सिंह ने करीब 125 छात्र-छात्राओं को नशे से होने वाले नुकसान की जानकारी दी। विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने, साइबर अपराध, महिला अपराध से बचाव और यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक

दवाइयां की प्रदान

टीम ने सलेमगढ़ और मिंगनीखेड़ा में नुक़्कड़ समाए कर ग्रामीणों, नशा पीड़ितों और उनके परिजनो को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक नुक़्क़सान बताए। ग्रामीणों से युवाओं को नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करने और नशा तस्करों की सूचना पुलिस को देने की अपील की गई। अभियान के दौरान एक नए नशा पीड़ित की पहचान की गई, वहीं सात नशा पीड़ितों को नागरिक अस्पताल हिसार में आयुर्वेदिक व एलोपैथिक दवाइयां, ब्लड टेस्ट और काउंसलिंग की सुविधा दिलाई गई। इसके अलावा 11 नशा पीड़ितों को घर जाकर आयुर्वेदिक दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। इस प्रकार कुल 18 नशा पीड़ितों को उपचार और दवाइयों की सुविधा दी गई। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन का कहना है कि पुलिस का उद्देश्य नशा तस्करों पर कार्रवाई के साथ नशे की गिरफ्त में आए लोगों को उपचार, काउंसलिंग और समाज की मुख्यधारा से जोड़ना भी है। उन्होंने कहा कि जागरूकता, उपचार और कानून प्रवर्तन तीनों स्तरों पर प्रयास जारी है।

किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को नशे के खिलाफ शपथ भी दिलाई गई।

सराहना की

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा और नीलोखेड़ी विधायक भगवान दास कबीरपंथी ने भी लुवास स्टॉल का दौरा किया। उन्होंने किसानों तक वैज्ञानिक पशुपालन और पशु स्वास्थ्य संबंधी जानकारी पहुंचाने के विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की। स्टॉल पर विवि की नवीनतम तकनीकों, विस्तार गतिविधियों और किसानों के लिए उपयोगी वैज्ञानिक साहित्य एवं प्रदर्शनों के माध्यम से पशु स्वास्थ्य, रोग नियंत्रण, संतुलित आहार और बेहतर पशु प्रबंधन की जानकारी दी जा रही है। किसानों ने खनिज पोषण में विशेष रुचि दिखाई। विशेषज्ञों ने बताया कि संतुलित खनिज पोषण पशुओं के स्वास्थ्य, उत्पादन और प्रजनन क्षमता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

15 स्कूलों में पायलट प्रोजेक्ट, हर शनिवार होगी प्रेरणादायक फिल्म की स्क्रीनिंग



हांसी। डीसी राहुल नरवाल ने बताया कि पारंपरिक चरण में हांसी जिले के 15 सरकारी विद्यालयों को इस प्रोजेक्ट के लिए चयनित किया गया है। इन विद्यालयों में प्राथमिक, माध्यमिक तथा वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के विद्यार्थी शामिल हैं। प्रत्येक शनिवार आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में विद्यार्थियों के लिए अधिक रोचक, ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायी बनाने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण कदम है। प्रोजेक्ट के तहत विद्यालयों में उपलब्ध स्मार्ट

मूषण झांब सर्वसम्मति से बने फ्रेंड्स क्लब के अध्यक्ष हिसार। सेक्टर 14 के सुभाष पार्क में आयोजित फ्रेंड्स क्लब की बैठक में भूषण झांब (को सर्वसम्मति से क्लब का अध्यक्ष चुना। बैठक में क्लब की आगामी गतिविधियों, नई व्यवस्थाओं पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में नितिन लोहिया, धर्मेन्द्र मलिक, लीलाधर सेनी, हिमांशु, सुरेंद्र भगत, गौरव गार्ग एवं सौरभ महाजन सहित क्लब के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। नर्वनवाचित अध्यक्ष भूषण झांब ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्लब की गतिविधियों को और अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाने के लिए सभी सदस्यों के सहयोग से कार्य किया जाएगा। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने भूषण झांब को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

पौधारोपण में रुचि ले रहे हैं। अब तक जुगलान में 2351 पौधे लगाये जा चुके हैं।